स्टोइक दर्शन में सुख और खुशी को कैसे देखा गया है, इसका संक्षेप में परीक्षण करें।

8. Write short notes on any two of the following: (9×2=18)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:

(a) Aperion

एपेरियन

(b) Stoic understanding of living in accordance with reason

तर्क के अनुसार जीवन जीने की स्टोइक अवधारणा

(c) Archaé is Number (Pythagoras)

आर्के संख्या है (पाइथागोरस)

(d) The Eleatic school's notion of unity and being

एलीएटिक परंपरा में एकत्व और अस्तित्व की धारणा

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7330 **J**

Unique Paper Code : 2102202402

Name of the Paper : GREEK THOUGHT

Name of the Course : B. A. Program

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any five questions .
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. कोई भी पाँच प्रश्न हल करें।

3. सभी प्रश्नों पर समान अंक हैं।

4. इस प्रश्न–पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Why are the Milesian thinkers called as cosmologists?In this connection, elucidate the commom features of the Milesian thinkers.

माइल्सियन विचारकों को ब्रह्माण्ड विज्ञानी क्यों कहा जाता है? इस संबंध में, माइल्सियन विचारकों की सामान्य विशेषताओं को स्पष्ट करें।

2. Heraclitus stated that everything is a flux. Examine this idea in light of his doctrine of constant change.

हेराक्लिटस का कथन सब कुछ प्रवाहमान है के आलोक में उनके सतत परिवर्तन के सिद्धांत की विवेचना करें।

3. How did the Pythagoreans understand reality through numbers? Evaluate the philosophical significance of the statement number is the essence of all things.

पाइथागोरस अनुयायियों ने संख्याओं के माध्यम से वास्तविकता को कैसे समझा ? संख्या ही सभी वस्तुओं का सार है इस कथन के दार्शनिक महत्व का मूल्यांकन करें।

4. What is Parmenides' idea of being and non-being? How is his thinking different from Heraclitus' view?

पार्मेनाइड्स की होने और न होने की अवधारणा को संक्षेप में समझाइए। हेराक्लिटस के दर्शन से यह कैसे भिन्न है?

5. Why did Socrates believe that virtue is the same as knowledge? Explain briefly how this knowledge grows using ideas.

सुकरात ने क्यों कहा कि सद्गुण ही ज्ञान है? यह ज्ञान अवधारणाओं के माध्यम से कैसे विकसित होता है, संक्षेप में जाँच करें।

6. Compare Socrates and Plato's views on virtue ethics.

सुकरात और प्लेटो के दृष्टिकोण से सद्गुण नैतिकता की तुलना करें और उसका विश्लेषण करें।

7. What do the Stoics say about happiness and pleasure? Give a short explanation of their thoughts.